प्रेषक :
पण्डित टोडरमल स्मारक ट्रस्ट
ए-4, बापूनगर, जयपुर 302015 (राज.)
फोन : (0141) 2705581, 2707458
E-mail : ptstjaipur@yahoo.com
Website : www.ptst.in

PRINTED-BOOK

श्रीमान्

ज्ञानतीर्थ श्री टोडरमल स्मारक भवन, जयपुर

श्री टोडरमल स्मारक भवन

पण्डित टोडरमल स्मारक ट्रस्ट स्वर्ण जयन्ती महोत्सव वर्ष

1967 – 2017

परिचय एवं सूची-पत्र

ए-4, बापूनगर, जयपुर 302015 (राज.)
फोन : (0141) 2705581, 2707458
E-mail : ptstjaipur@yahoo.com
Website : www.ptst.in

श्री टोडरमल स्मारक भवन में संचालित तत्त्वप्रचार की गतिविधियों में आप निम्न प्रकार से सहयोग कर सकते हैं

1. पण्डित टोडरमल स्मारक ट्रस्ट के शिरोमणि संरक्षक, परमसंरक्षक, संरक्षक बनकर।[A]
2. आध्यात्मिक शिक्षण शिविरों में आयोजन हेतु निम्न रूप से सहयोग किया जा सकता है–
   क. परम संरक्षक – 1 लाख रुपये[B] **ख.** संरक्षक – 25 हजार
   ग. शिविर के आमंत्रणकर्ता – 51 हजार **घ.** विधान के आमंत्रणकर्ता – 11 हजार[C]
3. विद्यालय में 1 छात्र के अध्ययन हेतु निम्न रूप से सहयोग प्रदान किया जा सकता है– **क.** 30 हजार प्रतिवर्ष (5 वर्ष तक) या 5 वर्ष के लिए एक साथ 1 लाख 41 हजार रुपये देकर। **ख.** 1 छात्र के आजीवन अध्ययन हेतु– एक मुश्त 5 लाख रुपये देकर। **ग.** आचार्य महाविद्यालय फण्ड एवं छात्र विकास फण्ड में कोई भी राशि देकर।
4. भोजनशाला हेतु निम्न रूप से सहयोग प्रदान किया जा सकता है – **क.** एक भोजन तिथि के रूप में 21000/– रुपये की राशि देकर। **ख.** एक दिन का भोजन हेतु – 15 हजार रुपये। **ग.** एक समय का मिष्ठान्न भोजन हेतु – 11 हजार रुपये। **घ.** एक समय का भोजन हेतु – 6100/– रुपये। **च.** एक समय के नाश्ते हेतु – 2100/– रुपये। **छ.** भोजनशाला हेतु कोई भी राशि/सामग्री/उपकरण देकर सहयोग किया जा सकता है।
5. सत्साहित्य प्रकाशन हेतु निम्न रूप से सहयोग प्रदान किया जा सकता है – **क.** 'साहित्य की कीमत करने में' अनुदान देकर। **ख.** साहित्य प्रकाशन ध्रुवफण्ड में कोई भी राशि देकर। **ग.** ग्रन्थमाला के सदस्य के रूप में 1500/– रुपये देकर। **घ.** आपकी ओर से सत्साहित्य के नि:शुल्क वितरण हेतु सहयोग देकर।
6. **क.** मंदिर पूजन में स्थायी पूजन फण्ड हेतु पूजन तिथि के रूप में 1100/– रुपये की राशि देकर। **ख.** मंदिर की सामग्री (टेबिल/पाटा/अलमारी/द्रव्य....) के लिए कोई भी राशि देकर।
7. वीतराग–विज्ञान मासिक पत्रिका के प्रकाशन में निम्न रूप में अनुदान देकर सहयोग प्रदान किया जा सकता है – **क.** संरक्षक –21 हजार, **ख.** परम सहायक – 11 हजार, **ग.** सहायक – 5100/– **घ.** विशिष्ट सहायक – 1100/– **च.** 1 अंक का प्रकाशन सहयोग – 11 हजार[D]
8. जैनपथप्रदर्शक समाचार–पत्र में अपने धार्मिक आयोजनों का विज्ञापन देकर अथवा संरक्षक के रूप में 11 हजार की राशि देकर या 1 अंक के प्रकाशन हेतु 5100/– रुपये की राशि देकर।
9. रात्रिकालीन पाठशालाओं के संचालन हेतु 6 हजार रुपये (प्रति पाठशाला के हिसाब से) वार्षिक देकर सहयोग प्रदान किया जा सकता है।

A. दातार का नाम प्रवचन मण्डप के पास बने सूचना पट्ट पर लिखा जायेगा। **B.** दातार का नाम शिविर की पत्रिका में आजीवन 'शिविर के परमसंरक्षक' के रूप में प्रकाशित होता रहेगा। **C.** दातार का नाम शिविर की पत्रिका में शिविर/विधान के आमंत्रणकर्ता 'संरक्षक' के रूप में प्रकाशित किया जायेगा। **D.** दातार का नाम पत्रिका के 1 अंक में छापा जायेगा।

वीतराग–विज्ञान (मासिक)

संपादक – डॉ. हुकमचंद भारिल्ल

यदि आप स्वयं को जानना चाहते हैं, पहिचानना चाहते हैं, भगवान महावीर द्वारा प्रतिपादित आत्मा का स्वरूप जानना चाहते हैं तो आज ही पण्डित टोडरमल स्मारक ट्रस्ट, जयपुर के मुखपत्र आध्यात्मिक मासिक वीतराग–विज्ञान के ग्राहक बनिये।

यह मासिक हिन्दी, मराठी और कन्नड़ – इन तीन भाषाओं में 10 हजार की संख्या में प्रतिमाह प्रकाशित होता है।

इसमें इस युग के श्रेष्ठ अध्यात्म प्रवक्ता आध्यात्मिकसत्पुरुष श्रीकानजीस्वामी के प्रवचनों के साथ–साथ डॉ. हुकमचंदजी भारिल्ल के मार्मिक संपादकीय भी पढने को मिलेंगे।

जैनपथप्रदर्शक (पाक्षिक)

संपादक – पण्डित रतनचंद भारिल्ल

पण्डित टोडरमल स्मारक ट्रस्ट और उससे संबंधित संस्थाओं द्वारा संचालित आध्यात्मिक गतिविधियों, शिविरों, विधानों, पंचकल्याणकों आदि के समाचारों के साथ–साथ आध्यात्मिकसत्पुरुष श्रीकानजीस्वामी के प्रवचनों, पण्डित रतनचंदजी भारिल्ल के संपादकीय, डॉ.भारिल्ल कृत प्रवचन, एवं अन्य लेखकों द्वारा लिखित कहानियों, लेखों से सज्जित माह में दो बार प्रकाशित ऐसे जैनपथप्रदर्शक (पाक्षिक) के ग्राहक आज ही बनिये।

आजीवन शुल्क – 251 रु. ● वार्षिक शुल्क – 25 रु.

ग्राहक बनने हेतु –'वीतराग–विज्ञान' या 'जैनपथप्रदर्शक' के नाम से ड्राफ्ट/मनीऑर्डर श्री टोडरमल स्मारक भवन, ए–4, बापूनगर, जयपुर के पते पर भेजें।

ज्ञानतीर्थ श्री टोडरमल स्मारक भवन : एक परिचय

आध्यात्मिकसत्पुरुष श्री कानजीस्वामी के सदुपदेश से जैन तत्त्वज्ञान के प्रचार-प्रसार के उद्देश्य से जयपुर निवासी श्री पूरणचन्दजी गोदिका ने स्वयं श्री टोडरमल स्मारक भवन का निर्माण कराकर पण्डित टोडरमल स्मारक ट्रस्ट की स्थापना की एवं ट्रस्ट के संस्थापक अध्यक्ष के रूप में आजीवन ट्रस्ट को संचालित किया। अद्यावधि आपके सुपुत्र श्री सुशीलकुमारजी गोदिका ट्रस्ट के अध्यक्ष हैं।

ट्रस्ट की उन्नति में ट्रस्ट के गठन के समय से ही अपने जीवनपर्यन्त महामंत्री के रूप में कार्य करने वाले पण्डित नेमिचन्दजी पाटनी का अविस्मरणीय योगदान भी उल्लेखनीय है। अपनी स्थापना से लगाकर आज तक तत्त्ववेत्ता डॉ. हुकमचन्दजी भारिल्ल के कुशल निर्देशन में यह ट्रस्ट अपने उद्देश्य की पूर्ति में सतत् सक्रिय है।

पण्डित टोडरमल स्मारक ट्रस्ट के भव्य भवन का उद्घाटन 6 मार्च, 1967 को आध्यात्मिकसत्पुरुष श्रीकानजीस्वामी के करकमलों से हुआ। पण्डित टोडरमल स्मारक ट्रस्ट आज जैन समाज की ख्यातिप्राप्त संस्था है, जो किसी परिचय की मोहताज नहीं है। इसका कार्य ही इसका परिचय है।

ज्ञानतीर्थ श्री टोडरमल स्मारक भवन में विभिन्न ट्रस्टों के सहयोग से चलाई जा रही तत्त्वज्ञान के प्रचार-प्रसार की गतिविधियों का संक्षिप्त विवरण निम्नानुसार है –

श्री टोडरमल दिगम्बर जैन सिद्धांत महाविद्यालय

जैन तत्त्वज्ञान के प्रचार-प्रसार के लिए इस विषय के अधिकृत विद्वान तैयार करना पहली आवश्यकता है। इस उद्देश्य की पूर्ति के लिए श्री टोडरमल दिगम्बर जैन सिद्धान्त महाविद्यालय की स्थापना की गयी; इसका उद्घाटन 24 जुलाई, 1977 को जैन समाज के प्रमुख नेता, शिक्षाप्रेमी साहू शान्तिप्रसादजी जैन के द्वारा राजस्थान के तत्कालीन मुख्यमंत्री भैरोंसिंहजी शेखावत के मुख्यातिथ्य में हुआ था।

इस विद्यालय में प्रवेश के लिये जाति/भाषा/प्रान्त के भेदभाव के बिना अखिल भारतीय स्तर पर प्रवेश परीक्षा आयोजित की जाती है; जिसमें 10वीं के अंकों की वरीयता, प्रशिक्षण शिविर में योग्यता प्रदर्शन एवं साक्षात्कार के परिणामों के आधार पर उन्हीं छात्रों को प्रवेश दिया जाता है, जो जैनदर्शन का विशेष अध्ययन करना चाहते हैं व नैतिक आध्यात्मिक विषयों का विशेष ज्ञान प्राप्त करना चाहते हैं।

दसवीं के बाद छात्र यहाँ रहकर पाँच वर्षों में राजस्थान संस्कृत विश्वविद्यालय से जैनदर्शन 'शास्त्री' की डिग्री प्राप्त करते हैं, जिसे पूरे देश में ग्रेजुयेट (बी.ए.) की डिग्री के बराबर मान्यता प्राप्त है।

इन छात्रों को भोजन, आवास, शिक्षा, स्वास्थ्य आदि की स्तरीय सुविधायें नि:शुल्क उपलब्ध करायी जाती हैं। छात्रों के सर्वांगीण विकास के लिये पूरे वर्ष अनेक सह-शैक्षणिक एवं शैक्षणेतर गतिविधियाँ जैसे - साप्ताहिक गोष्ठी, प्रवचन-प्रशिक्षण, साहित्यिक प्रतियोगिताएँ, शैक्षिक भ्रमण, खेलकूद, व्यायाम, धार्मिक विधि-विधान और संगीत-भजन-भक्ति आदि कार्यक्रमों का भी आयोजन किया जाता है।

हमारे यहाँ रहनेवाले छात्रों को पाँच वर्षों में माध्यमिक शिक्षा बोर्ड अजमेर एवं राजस्थान संस्कृत विश्वविद्यालय में पढ़ाये जानेवाले 22 आगम एवं टीका ग्रन्थों के साथ श्री टोडरमल दिगम्बर जैन सिद्धान्त महाविद्यालय में वीतराग-विज्ञान विद्यापीठ परीक्षा बोर्ड के पाठ्यक्रम में निर्धारित चारों अनुयोगों के 30 ग्रंथ, कुल मिलाकर छोटे-बड़े 52 ग्रन्थों का अध्यापन कराया जाता है।

इसके अतिरिक्त जो छात्र जैनदर्शन में पोस्ट ग्रेजुएट (एम.ए. के समकक्ष) आचार्य की डिग्री प्राप्त करना चाहते हैं, उनकी भी इसीप्रकार समुचित व्यवस्था है।

हमारे महाविद्यालय के लिये यह अत्यन्त गौरव का विषय है कि हमारे छात्र माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, अजमेर (राजस्थान) एवं राजस्थान संस्कृत विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित होनेवाली उपाध्याय एवं शास्त्री

की परीक्षाओं में औसतन प्रतिवर्ष प्रवीणता सूची में (मेरिट लिस्ट) स्थान प्राप्त करते हैं। हमारे यहाँ से अभी सत्र 2017 तक उत्तीर्ण कुल 756 छात्रों में से 110 छात्रों ने (मेरिट लिस्ट) में स्थान प्राप्त किया है जो हमारे महाविद्यालय की प्रतिष्ठा एवं श्रेष्ठता का प्रमाण है।

हमारे यहाँ से निकले छात्र विभिन्न क्षेत्रों में कार्यरत होकर समाज को अपनी सेवायें दे रहे हैं, उसमें 122 छात्र जैनदर्शनाचार्य हैं। 27 छात्रों ने डाक्टरेट (पीएच.डी.) की उपाधि प्राप्त की है तथा शोधकार्य हेतु 13 छात्र रजिस्ट्रेशन करा चुके हैं। वर्तमान में हमारे यहाँ विभिन्न प्रान्तों के 195 छात्र अध्ययनरत हैं। इस विद्यालय से प्रतिवर्ष लगभग 50 छात्र जैनदर्शन के विद्वान बनकर निकलते हैं।

पण्डित टोडरमल सर्वोदय ट्रस्ट जयपुर, श्री कुन्दकुन्द कहान दि. जैन तीर्थ सुरक्षा ट्रस्ट मुम्बई, रवीन्द्र पाटनी फैमिली चैरिटेबल ट्रस्ट मुम्बई, श्री वीतराग-विज्ञान स्वाध्याय मंदिर ट्रस्ट अजमेर, श्री राजमल कल्याणमल पाटनी सिद्ध चेतना ट्रस्ट कलकत्ता आदि विभिन्न संस्थाओं एवं दातारों के सहयोग से विद्यालय का संचालन किया जाता है।

सत्साहित्य प्रकाशन

जैन समाज में साहित्य प्रकाशित करने वाली संस्थाओं की कमी न तो पहले थी और न अब है; परन्तु चार अनुयोग संबंधी मूल आगम ग्रन्थों, टीका ग्रन्थों के साथ ही जनसामान्य की समझ में आये ऐसी सरल भाषा के साहित्य का नितांत अभाव था, थोड़ा-बहुत जो कुछ था भी वह या तो स्तरीय नहीं था या फिर बहुत महंगा।

पण्डित टोडरमल स्मारक ट्रस्ट ने इस कमी को महसूस किया और उसे पूरा करने के लिए विभिन्न संस्थाओं के सहयोग से सत्साहित्य प्रकाशन का कार्य प्रारंभ किया; ट्रस्ट द्वारा प्रकाशित साहित्य प्रामाणिक तो है ही, अच्छे कागज पर आकर्षक प्रिन्टिंग, कवर और बाइंडिंग में होने पर भी दातारों के सहयोग से लागत मूल्य से भी 30 प्रतिशत कम कीमत पर पाठकों को उपलब्ध कराया जाता है।

अब आप साहित्य को ऑनलाइन ऑर्डर भेजकर भी प्राप्त कर

सकते हैं, इसके लिये **http://ptst.in/ptst/books/index.php** इस लिंक पर क्लिक करें।

ध्यान रहे लागत मूल्य का आशय मात्र कागज और प्रिन्टिंग कॉस्ट से है; क्योंकि हमारे यहाँ न तो लेखक कुछ रायल्टी लेते हैं, न प्रकाशक कुछ कमाते हैं और न कमीशन की ही व्यवस्था है। व्यवस्था खर्च भी इसमें नहीं जोड़ा जाता।

विशेष बात यह है कि इतने सस्ते साहित्य को हम मात्र एक पोस्टकार्ड भेजने पर बिना किसी ट्रांसपोर्ट खर्च के पाठकों को उपलब्ध कराते हैं। यही कारण है कि आज जैन समाज का शायद ही कोई ऐसा घर, मंदिर, संस्था हो; जहाँ टोडरमल स्मारक ट्रस्ट और उसकी सहयोगी संस्थाओं द्वारा प्रकाशित साहित्य न पाया जाये।

ट्रस्ट एवं उसकी सहयोगी संस्थाओं द्वारा अभी तक 8 विभिन्न भाषाओं में 456 प्रकार के छोटे-बड़े विभिन्न ग्रन्थ 75 लाख की संख्या में प्रकाशित हो चुके हैं।

सन् 1976 में 28 प्रकाशनों की 1 लाख 12 हजार 2 सौ रुपये प्रतिवर्ष बिक्री से शुरूआत कर **आज (2017 तक) हमारे प्रकाशन विभाग ने 450 प्रकाशनों की 26 लाख रुपये प्रतिवर्ष बिक्री का रिकार्ड सफर तय किया है।** जो संस्था के लिए गौरव का विषय है और हमारी लोकप्रियता का प्रमाण भी।

भारतवर्षीय वीतराग-विज्ञान पाठशाला समिति एवं वीतराग-विज्ञान विद्यापीठ परीक्षा बोर्ड द्वारा रात्रिकालीन पाठशालाओं का संचालन

आज के बालक कल के युवा हैं। यदि बालकों में सत्संस्कार और धार्मिक आस्थायें रहेंगी तो यह समाज निरन्तर गतिशील रहेगा। हमारी नई पीढ़ी में भी धार्मिक संस्कार बने रहें – इस बात को ध्यान में रखते हुये बालकों को धार्मिक-नैतिक शिक्षण के उद्देश्य से श्री वीतराग-विज्ञान विद्यापीठ परीक्षा बोर्ड के माध्यम से देशभर में रात्रिकालीन पाठशालाओं का संचालन प्रारंभ किया गया। इन पाठशालाओं में

बालक-बालिकाओं को जैनदर्शन का प्राथमिक एवं प्रायोगिक ज्ञान दिया जाता है। वीतराग-विज्ञान विद्यापीठ परीक्षा बोर्ड की स्थापना सन् 1968 में की गयी। यह बोर्ड भारतवर्षीय वीतराग-विज्ञान पाठशाला समिति के अन्तर्गत कार्य करता है।

इस बोर्ड के द्वारा संचालित रात्रिकालीन 143 पाठशालाओं में प्रतिवर्ष दो बार ग्रीष्मकाल (जुलाई) एवं शीतकाल (जनवरी) के समय 24 विभिन्न विषयों की परीक्षायें आयोजित की जाती हैं तथा उत्तीर्ण छात्रों को प्रमाण-पत्र प्रदान किये जाते हैं।

जिन पाठशाला के धर्माध्यापकों को पाठशाला संचालन के लिये आर्थिक सहायता की आवश्यकता होती है। उन्हें 100 रुपये प्रतिमाह का अनुदान भी यहाँ से भेजा जाता है। वर्तमान में पूरे देश में संचालित 143 पाठशालाओं में से 28 पाठशालाओं को अनुदान भेजा जाता है, 305 पाठशालाओं में से 38 पाठशालायें तो विभिन्न स्कूलों में नैतिक शिक्षा के पाठ्यक्रम के तहत संचालित होती हैं। इन पाठशालाओं के माध्यम से प्रतिवर्ष करीब 12 हजार छात्र 24 विभिन्न विषयों की परीक्षा हेतु प्रवेश लेते हैं। वर्ष 2017-2018 तक 4 लाख 44 हजार 5 सौ 74 छात्र परीक्षा उत्तीर्ण कर प्रमाण-पत्र प्राप्त कर चुके हैं।

अखिल भारतीय जैन युवा फैडरेशन का संचालन

समाज में आज न तो युवकों की कमी है न ही उनको निर्देशित करनेवाले संगठनों की; परन्तु युवकों की इस सृजनशील ऊर्जा का उपयोग विध्वंस के कार्यों में ही किया जाता है और प्राय: युवा संगठनों का तात्पर्य भी यही समझा जाता है।

युवाओं के जोश का रचनात्मक उपयोग करके उनकी अथाह ऊर्जा का सकारात्मक उपयोग करने की दृष्टि से पण्डित टोडरमल स्मारक ट्रस्ट के मार्गदर्शन में अखिल भारतीय जैन युवा फैडरेशन की स्थापना दिनांक 1 जनवरी 1977 को की गई। इस संगठन का उद्देश्य 'आत्मानुभूति' और 'तत्त्वप्रचार' की गतिविधियों तक सीमित है और नारा है - 'भावी इतिहास हमारा है।'

अखिल भारतीय जैन युवा फैडरेशन के कार्यक्रमों में गाँव-गाँव में बच्चों के संस्कारों के लिये 'वीतराग-विज्ञान पाठशाला' का संचालन, प्रतिदिन प्रवचनों/पूजन आदि धार्मिक कार्यक्रमों का संचालन करना तथा अन्य सामाजिक अवसरों पर विभिन्न आयोजनों का संचालन करना शामिल है।

मात्र 13 शाखाओं से प्रारंभ इस संगठन की आज देश-विदेश में 291 सक्रिय शाखायें हैं। इस संगठन की स्थापना काल से लेकर आजतक लगातार सक्रियता बनी हुई है। इसकी गतिविधियों का ग्राफ कभी नीचे नहीं आया, यह इसकी लोकप्रियता का प्रमाण है। दिसम्बर माह के शीतकालीन अवकाश के समय में इसका 7 दिवसीय राष्ट्रीय अधिवेशन आयोजित किया जाता है - इसके अबतक 39 अधिवेशन हो चुके हैं।

फैडरेशन द्वारा विशुद्ध आध्यात्मिक गीतों/भजनों तथा प्रवचनों को उपलब्ध कराने के उद्देश्य से 'प्रवचन प्रसार योजना' के तहत कैसेट विभाग की स्थापना सन् 1986 में हुई। इसके माध्यम से विद्वानों के प्रवचनों के ऑडियो, वीडिओ, सी. डी. D.V.D. टेप लोगों को उपलब्ध कराए जाते हैं। अब तक 2 लाख 95 हजार 2 सौ 29 की संख्या में 40 लाख 12 हजार 3 सौ 25 रुपये के कैसेट एवं 42 लाख 99 हजार 555 घंटे के सी.डी. D.V.D. प्रवचन घर-घर पहुँच चुके हैं।

वीतराग-विज्ञान (मासिक) पत्रिका का प्रकाशन

धर्म पिपासु मुमुक्षु जैनसमाज को विविध विषयों पर गुरुदेवश्री कानजी स्वामी के प्रवचनों एवं डॉ. भारिल्ल के संपादकियों का लाभ निरंतर मिलता रहे इस उद्देश्य से सन् 1983 में वीतराग-विज्ञान (मासिक) पत्रिका का प्रकाशन हिन्दी और मराठी भाषा में प्रारंभ किया गया। इसकी लोकप्रियता और मांग को देखते हुये तमिल एवं मराठी एवं कन्नड भाषा में भी इसका प्रकाशन प्रारंभ हुआ। दस साल के बाद तमिल भाषा का प्रकाशन तो बंद हो गया; परन्तु हिन्दी, मराठी व कन्नड भाषा में इसका प्रकाशन निरंतर हो रहा है। इसकी प्रसार संख्या 7,000+ 2,000 + 1000 = 10 हजार है।

डॉ. हुकमचंदजी भारिल्ल इसके संपादक हैं। इसका वार्षिक शुल्क

25/- रुपये तथा आजीवन शुल्क 251/- रुपये है।

जैनपथप्रदर्शक (पाक्षिक) पत्र का प्रकाशन

पण्डित टोडरमल स्मारक ट्रस्ट एवं उसकी सहयोगी अन्य संस्थाओं द्वारा तत्त्वप्रचार के क्षेत्र में किये जानेवाले विविध कार्यक्रमों की सूचनायें एवं समाचार जैनसमाज के सभी समुदायों तक पहुँचें - इस आवश्यकता की पूर्ति के लिये 'जैनपथप्रदर्शक' नामक पाक्षिक पत्र का प्रकाशन सन् 1977 से प्रारंभ किया गया। तब से अद्यावधि इसका प्रकाशन हो रहा है। उसकी प्रसार संख्या 3 हजार 5 सौ है।

श्री टोडरमल दिगम्बर जैन सि.महाविद्यालय के प्राचार्य पण्डित रतनचंदजी भारिल्ल इसके संपादक हैं। इसका वार्षिक शुल्क 25/- रुपये तथा आजीवन शुल्क 251/- रुपये मात्र है।

आध्यात्मिक शिक्षण शिविरों का आयोजन व संचालन

जैनदर्शन व अध्यात्म के क्रमिक एवं व्यवस्थित अध्ययन के लिये आध्यात्मिक शिक्षण-शिविर सबसे सशक्त साधन हैं - इस तथ्य को ध्यान में रखते हुये श्री टोडरमल स्मारक भवन में प्रतिवर्ष अगस्त और अक्टूबर माह में 10-10 दिवसीय दो शिविरों का आयोजन किया जाता है। इन शिविरों में उच्चकोटि के विद्वानों के प्रवचनों-कक्षाओं के माध्यम से भारत भर के हर उम्र-वर्ग के लगभग 1500-1800 साधर्मी लाभ प्राप्त करते हैं। आनेवाले सभी शिविरार्थियों को भोजन एवं आवास की नि:शुल्क व्यवस्था उपलब्ध कराई जाती है।

शिक्षण-प्रशिक्षण शिविरों का संचालन

बच्चों को पढ़ाने के लिये एक विशिष्ट कौशल की अपेक्षा होती है। प्राय: यह महसूस किया जाता रहा है कि पाठशाला समिति द्वारा संचालित पाठशालाओं में पढ़ानेवाले अध्यापकों में इसका नितान्त अभाव है। पाठशाला में पढ़ानेवाले धार्मिक अध्यापकों को धार्मिक अध्ययन कराने की ट्रेनिंग देने के उद्देश्य से सन् 1969 से 18 दिवसीय वीतराग-विज्ञान शिक्षण-प्रशिक्षण शिविरों का आयोजन प्रारंभ किया गया। प्रतिवर्ष मई माह में लगनेवाले इस शिक्षण-प्रशिक्षण शिविर में

अध्यापकों को बी.एड. की शिक्षण पद्धति के आधार से धार्मिक अध्यापन कराने की ट्रेनिंग दी जाती है।

अभीतक (सन् 2017 तक) देश के विभिन्न प्रान्तों में आयोजित 51 प्रशिक्षण शिविरों के माध्यम से 11 हजार 1 सौ अध्यापकों को प्रशिक्षित किया जा चुका है। शिविरार्थियों को भोजन, आवास की नि:शुल्क सुविधा दी जाती है।

विशाल धार्मिक शिक्षण शिविरों (ग्रुप शिविरों) का आयोजन

कम समय और साधन में अधिकतम लोगों तक धार्मिक संस्कारों का प्रेषण करने की यह एक अनूठी पद्धति है।

बहुसंख्यक जैनसमाज गाँवों में बसता है और गाँव जीवनयापन की प्राथमिक सुविधाओं तक से वंचित है – ऐसी स्थिति में वहाँ न तो साधुजनों का जाना सुलभ हो पाता है और न ही विद्वानों का; परिणामत: जैनदर्शन के ज्ञान से रीते ग्रामीण जैन बालक-बालिकाओं को 'हम जैन क्यों हैं?' 'णमोकार मंत्र क्या है?' जैसे सामान्य विषयों तक का ज्ञान नहीं हो पाता, जबकि उन गाँवों के भव्य जैनमंदिर और विशाल ग्रन्थ भण्डार गाँव के बीते सुनहरे अतीत की कहानी कहते हैं।

ट्रस्ट ने इस तथ्य पर गंभीरता से विचार किया और उन गाँवों में भी जैनत्व के संस्कारों का प्रकाश जावे; नन्हें-नन्हें बालकों को जैनधर्म का प्राथमिक ज्ञान प्राप्त हो – इस उद्देश्य से विशाल धार्मिक शिक्षण शिविरों (ग्रुप शिविरों) का संचालन सन् 1996 से प्रारंभ किया।

इस योजना के तहत हमारी टीम किसी भी संभाग के 200 कि.मी. रेडियस क्षेत्र का दौरा करती है और इसप्रकार के पिछड़े; परन्तु जिज्ञासु गाँवों में समाज को धार्मिक संस्कारों के लिये 8 दिवसीय शिविर लगाने की प्रेरणा देती है। शिविर के आयोजन हेतु हम मात्र उनसे विद्वान की भोजन एवं आवास सुविधा और यदि संभव हो तो आवागमन व्यय की अपेक्षा रखते हैं। इसके अतिरिक्त पाठ्यसामग्री, प्रचारसामग्री, प्रमाणपत्र, शिविर संचालन – सभी का खर्च संस्था वहन करती है।

इस दौरे में 200 कि.मी.क्षेत्र के 40-50 स्थानों का चयन करके

उन सभी स्थानों पर एक साथ एक ही तारीखों में एक से कार्यक्रम के अनुरूप 60-70 युवा विद्वानों की टीम बालकों को जैनधर्म के संस्कार मनोवैज्ञानिक एवं प्रायोगिक ढंग से सिखाती है। अंत में छात्रों की परीक्षा लेकर उन्हें प्रमाण-पत्र प्रदान कर पुरस्कृत किया जाता है।

इसप्रकार ग्रुपशिविरों के माध्यम से 8 दिन में ही 50-50 शिविरों के संचालन से जैनधर्म के प्रचार के क्षेत्र में अभूतपूर्व गति आयी है। **ट्रस्ट द्वारा 20 वर्षों में अब तक 75 ग्रुप शिविरों का आयोजन किया जा चुका है।**

विधान, वेदी-प्रतिष्ठा, पंचकल्याणकादि धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन

विभिन्न धार्मिक सामाजिक अवसरों पर पूजन/विधान के अनुष्ठान के लिये शुद्धाम्नाय से विधि-विधान सम्पन्न करानेवाले विद्वान उपलब्ध कराने का कार्य प्रारंभ किया। समाज को अनेक प्रकार की समस्याओं का सामना करना पड़ता है। इस समस्या को ध्यान में रखकर विद्वानों की व्यवस्था करना ट्रस्ट की एक महत्त्वपूर्ण गतिविधि है। इसी के माध्यम से ट्रस्ट का परिचय समाज को होता है और दोनों परस्पर लाभान्वित होते हैं। ट्रस्ट द्वारा सम्पन्न होनेवाले इन कार्यक्रमों में प्रवचनों के द्वारा तत्त्वज्ञान के प्रचार की प्रमुखता से अपनी एक विशिष्ट पहचान है।

पंचकल्याणक और वेदीप्रतिष्ठा के कार्यक्रम अपने आप में महत्त्वपूर्ण और विशाल स्तर पर सम्पन्न होने वाले कार्य हैं। इनसे जैन दर्शन की प्रभावना भी विशेष होती है। **ट्रस्ट द्वारा दिसम्बर, 2017 तक देश भर में विभिन्न स्थानों पर 106 पंचकल्याणक, 185 वेदीप्रतिष्ठा एवं सैकडों विधानों के सफल आयोजन कराये गये हैं। यह अपने आप में एक कीर्तिमान है।**

अष्टाह्निका, दशलक्षण पर्व तथा अन्य धार्मिक अवसरों पर विद्वानों की व्यवस्था

अष्टाह्निका, दशलक्षण पर्व तथा अन्य सामाजिक-धार्मिक उत्सवों के अवसर पर धर्मोपदेश हेतु विद्वानों की व्यवस्था का अपने आप में बहुत बड़ा महत्त्वपूर्ण कार्य है और विगत 25 वर्षों से लगातार पण्डित

टोडरमल स्मारक ट्रस्ट द्वारा सम्पन्न किया जा रहा है। दशलक्षण पर्व के अवसर पर भारतवर्ष के विभिन्न प्रान्तों से दिगम्बर, श्वेताम्बर, तारण पंथ आदि सभी सम्प्रदायों की समाज द्वारा आमंत्रण प्राप्त होते हैं और उन अधिकतम स्थानों पर विद्वानों को भेजने की व्यवस्था ट्रस्ट अपने भूतपूर्व-वर्तमान छात्रों तथा अन्य विद्वानों के सहयोग से करता है।

दशलक्षण पर्व पर विद्वानों को भेजने की व्यवस्था अन्य जैन संस्थायें भी करती हैं; परन्तु इतने बड़े पैमाने पर विद्वानों को भेजने की व्यवस्था मात्र टोडरमल स्मारक ट्रस्ट द्वारा ही की जाती है। इसमें भी विशिष्ट बात यह कि संस्था द्वारा भेजे जानेवाले विद्वान मात्र आने-जाने के व्यय के अलावा अन्य किसीप्रकार का कोई मानदेय स्वीकार नहीं करते।

इस वर्ष (2017) दशलक्षण पर्व के अवसर पर प्रवचनार्थ विद्वानों हेतु 565 स्थानों से आमंत्रण प्राप्त हुए थे, जिनमें से मात्र 536 स्थानों पर ही विद्वानों को भेजा जा सका था। इसमें भी 317 विद्वान तो टोडरमल महाविद्यालय के स्नातक विद्वान ही थे।

श्वेताम्बर पर्यूषण के अवसर पर भी महानगर मुंबई तथा अन्य अनेक स्थानों पर प्रवचनार्थ विद्वानों की मांग आती है तथा इन सभी स्थानों पर डॉ. हुकमचंदजी भारिल्ल आदि 15-20 विद्वान जाते हैं। हमारे विद्वानों को सम्पूर्ण समाज अत्यन्त जिज्ञासा और आदर के साथ सुनती है, यह ट्रस्ट के लिए अत्यन्त महत्त्वपूर्ण बात है।

इसके अतिरिक्त वर्ष में आनेवाले तीन अष्टाह्निका पर्वों, श्रुतपंचमी, महावीर जयन्ती, आदिनाथ जयन्ती एवं दीपावली आदि अन्य अनेक प्रासंगिक अवसरों पर भी समाज की मांग के अनुसार विद्वानों को भेजने की व्यवस्था भी पण्डित टोडरमल स्मारक ट्रस्ट द्वारा की जाती है।

बाल संस्कार शिविरों का आयोजन

इन बहुपयोगी शिविरों में 8-10 दिन तक विभिन्न आयु समूह के छात्रों को एक ही स्थान पर रखा जाता है और प्रात: 5.00 बजे से रात्रि 10.00 बजे तक के सुव्यवस्थित व्यस्त प्रशिक्षण कार्यक्रमों के द्वारा विद्वान प्रशिक्षक बालकों को जैनधर्म तथा नैतिक शिक्षा के मूलभूत

सिद्धान्तों का अभ्यास कराते हैं। ये शिविर इतने लोकप्रिय हुये हैं कि एक-एक शिविर में 1200-1500 बच्चों की संख्या होने लगी है।

पण्डित टोडरमल सर्वोदय ट्रस्ट

साहित्य प्रकाशन, श्री टोडरमल दि. जैन आचार्य महाविद्यालय का संचालन, जिनवाणी चैनल के माध्यम से डॉ. हुकमचन्दजी भारिल्ल के प्रवचनों का प्रसारण, प्याऊ तथा सार्वजनिक हित के अनेक लोकोपयोगी कार्यों का संचालन इस ट्रस्ट के माध्यम से किया जाता है। इस ट्रस्ट को प्रदत्त दान पर आयकर की धारा 80G के अन्तर्गत छूट भी प्राप्त है।

रवीन्द्र पाटनी फैमिली चेरिटेबल ट्रस्ट

नि:शुल्क होम्योपैथिक चिकित्सालयों, चिकित्सा सुविधाओं, चल चिकित्सालयों का संचालन, नि:शुल्क सत्साहित्य वितरण, नैतिक एवं धार्मिक पाठशालाओं को अनुदान, महाविद्यालय का संचालन आदि अनेक पारमार्थिक कार्य इस ट्रस्ट द्वारा संचालित होते हैं; इसका मुख्यालय मुंबई में है।

श्री टोडरमल जैन मुक्त विद्यापीठ

व्यक्तित्व विकास में आध्यात्मिक शिक्षा की भूमिका महत्वपूर्ण होती है। श्री टोडरमल दिगम्बर जैन सिद्धान्त महाविद्यालय आध्यात्मिक शिक्षा को समर्पित एक अनूठा संस्थान है। समाज के विभिन्न वर्गों के सदस्य इस महाविद्यालय में संचालित शिक्षा का लाभ लेना चाहते हैं, किन्तु वे अनेक विवशताओं के कारण नियमित छात्र के रूप में अध्ययन नहीं कर पाते हैं। अत: क्षेत्र व काल की बाधा को दूर कर जैन तत्त्वज्ञान को आधिकारिक रूप से जन-जन तक पहुँचाने के लिए मुक्त विश्वविद्यालयों की तर्ज पर **श्री टोडरमल जैन मुक्त विद्यापीठ** की स्थापना की गई है।

विश्वविद्यालयों में निर्धारित जैनदर्शन विषय सहित शास्त्री की शिक्षा प्राप्त करने हेतु लौकिक शिक्षा के अन्तर्गत संस्कृत और कला संकाय के पारंपरिक विषयों का अध्ययन करना भी अनिवार्य होता है, अत: जिज्ञासु होने पर भी खासकर महिला वर्ग व्यवस्था के अभाव में

इसप्रकार के अध्ययन से वंचित रह जाता है। यह मुक्त विद्यापीठ इसी आवश्यकता की पूर्ति के लिए समर्पित और संस्कृत आदि की अनिवार्यता के बिना किसी भी जाति, उम्र, वर्ग के लिए जैनतत्त्व विद्या के प्रचार-प्रसार हेतु कटिबद्ध है। इस विद्यापीठ द्वारा जैनधर्म के सम्पूर्ण अध्ययन को ध्यान में रखते हुए अनेक पाठ्यक्रमों का संचालन किया जा रहा है। इसकी विस्तृत विवरणिका पृथक से उपलब्ध हैं। मुक्त विद्यापीठ के माध्यम से अभी तक 569 छात्र पंचवर्षीय पाठ्यक्रम पूर्ण कर सिद्धान्त विशारद की डिग्री प्राप्त कर चुके हैं। वर्तमान में 2724 छात्र अध्ययनरत हैं।

विदेश में भी धर्मप्रचार

जैनसमाज के जो सदस्य व्यापार-आजीविका के कारण विदेशों में जाकर बस गये हैं, उनके परिवारों (बालकों) में भी धार्मिक संस्कार बने रहें इस उद्देश्य से विदेशों में जैनधर्म के प्रचार-प्रसार के लिए ट्रस्ट के महामंत्री डॉ. हुकमचंदजी भारिल्ल द्वारा सन् 1984 से आजतक लगातार प्रतिवर्ष नार्थ अमेरिका, कनाड़ा, इंग्लैण्ड, बेल्जियम, स्विट्जरलैण्ड, जर्मन, जापान, हांगकांग, केनिया (नेरोबी), सिंगापुर, मलेशिया, दुबई, शरजाह, आबूधाबी आदि 15 देशों की 35 बार यात्रायें की जा चुकी हैं। डॉ. साहब के अतिरिक्त पण्डित अभयकुमारजी देवलाली, पण्डित संजीवकुमारजी गोधा जयपुर इत्यादि अनेक विद्वान भी अब प्रतिवर्ष धर्म प्रचार के लिए जाने लगे हैं।

इस कारण वहाँ के जैन समुदाय में भी विशेष उत्साह और जागृति देखने में आयी है। फलत: 'जाना' (जैन अध्यात्म एकेडमी ऑफ नोर्थ अमेरिका) नामक संगठन का गठन हुआ है, जो विदेशों में तत्त्वप्रचार की गतिविधियों का संचालन सक्रियतापूर्वक कर रहा है।

ट्रस्ट ने तत्त्वज्ञान के प्रचार-प्रसार के लिए जो भी योजनायें लागू की उन्हें सफलतापूर्वक निरंतर चालू रखा यह इस ट्रस्ट की उन्नति का मूलमंत्र है।

इस प्रकार यह ट्रस्ट उपरोक्त अनेक प्रकार की गतिविधियों से देश-

विदेश में तत्त्वज्ञान के प्रचार-प्रसार में अपनी पूर्ण सामर्थ्य से संलग्न है।

सोश्यल मीडिया द्वारा तत्त्वप्रचार

● ग्रन्थाधिराज समयसार पर डॉ. भारिल्ल के प्रवचन अब आप अपने वॉट्स एप पर भी प्राप्त कर सकते हैं। इसके लिये आप अपने मोबाइल में 7297973664 इस नम्बर को **PTST** प्रवचन के नाम से **SAVE** करके अपना नाम एवं स्थान लिखकर 7297973664 पर वॉट्स एप करें। इस पर समयसार के अतिरिक्त दशलक्षणादि विशेष पर्वों पर विशेष प्रवचनों का प्रसारण भी होता है।

● ज्ञानतीर्थ श्री टोडरमल स्मारक भवन, जयपुर में संचालित नियमित प्रवचन/कक्षाओं का लाभ आप घर बैठे ही निम्न माध्यमों से प्राप्त कर सकते हैं -

● **Ustream** के माध्यम से लाइव भी देख सकते हैं।

Link - www.ustream.tv/channel/ptst

● मोबाइल से फोन लगाकर : आपको अपने मोबाइल से 7400130777 इस नम्बर पर कॉल लगाना है, वह एक एक्सेस कोड पूछेगा 998800# दबाना है, कॉल की दर सामान्य सबके अपने-अपने प्लान के अनुसार रहेगी।

● यू-ट्यूब पर जाएं और सर्च करें **PTST** वहाँ आपको पण्डित टोडरमल स्मारक ट्रस्ट का यू-ट्यूब चैनल मिल जायेगा, जिसमें प्लेलिस्ट पर जाकर आप व्यवस्थित क्रम से अध्ययन कर सकते हैं। हर वीडियो की डिस्क्रिप्शन के नीचे एक लिंक दी गई है, जिस पर क्लिक करके उस विषय से संबंधित ग्रंथ की पीडीएफ डाउनलोड की जा सकती है।

Link - www.youtube.com/user/todarmalsmaraktrust

ऊपर दी गई लिंक पर क्लिक करके सबस्क्राइब करें और उसके बाजू में बेल आइकॉन पर क्लिक करना ना भूलें, इससे आपको निरंतर अपडेट मिलते रहेंगे।

● फेसबुक के माध्यम से :

Link - www.facebook.com/ptst.jaipur

श्री टोडरमल स्मारक भवन में उपलब्ध साहित्य का

सूची-पत्र

आचार्यों एवं प्राचीन विद्वानों के ग्रंथ

क्र.सं.	ग्रन्थ का नाम	मूल्य (रु.)	संख्या
1.	समयसार (ज्ञायकभाव प्रबोधिनी)	50.00	☐
2.	प्रवचनसार (ज्ञानज्ञेयतत्त्व प्रबोधिनी)	50.00	☐
3.	प्रवचनसार (जयसेनाचार्य)	32.00	☐
4.	नियमसार (आत्मप्रबोधनी)	50.00	☐
5.	अष्टपाहुड़	40.00	☐
6.	पंचास्तिकाय संग्रह	30.00	☐
7.	मोक्षशास्त्र	75.00	☐
8.	भावदीपिका	30.00	☐
9.	समयसार नाटक	25.00	☐
10.	मोक्षमार्ग प्रकाशक	40.00	☐
11.	पुरुषार्थसिद्ध्युपाय	30.00	☐
12.	छहढाला (सचित्र)	15.00	☐
13.	छहढाला (मूल)	3.00	☐
14.	छहढाला-त्रयी	6.00	☐
15.	सत्तास्वरूप	प्रेस में	☐
16.	स्वरूप संबोधन	10.00	☐
17.	दीपचंद ग्रंथमाला भाग-1	35.00	☐
18.	दीपचंद ग्रंथमाला भाग-2	18.00	☐
19.	परीक्षामुख	10.00	☐
20.	इष्टोपदेश	20.00	☐
21.	समाधितंत्र	25.00	☐
22.	वारसाणुवेक्खा	8.00	☐
23.	क्षत्रचूड़ामणि (जीवंधर चरित्र)	50.00	☐
24.	समयसार कलश	25.00	☐
25.	कार्तिकेयानुप्रेक्षा	35.00	☐

26.	बृहद् द्रव्यसंग्रह	35.00	☐
27.	आत्मानुशासन	25.00	☐
28.	तत्त्वज्ञान तरंगिणी	10.00	☐
29.	योगसार प्राभृत	40.00	☐

आध्यात्मिकसत्पुरुष श्रीकानजीस्वामी के प्रवचन

30.	प्रवचनरत्नाकर भाग-1 (गाथा 1 से 25 तक)	40.00	☐
31.	प्रवचनरत्नाकर भाग-2 (गाथा 26 से 68 तक)	40.00	☐
32.	प्रवचनरत्नाकर भाग-3 (गाथा 69 से 91 तक)	20.00	☐
33.	प्रवचनरत्नाकर भाग-4 (गाथा 92 से 144 तक)	40.00	☐
34.	प्रवचनरत्नाकर भाग-5 (गाथा 145 से 180 तक)	40.00	☐
35.	प्रवचनरत्नाकर भाग-6 (गाथा 181 से 214 तक)	16.00	☐
36.	प्रवचनरत्नाकर भाग-7 (गाथा 215 से 236 तक)	12.00	☐
37.	प्रवचनरत्नाकर भाग-8 (गाथा 237 से 307 तक)	20.00	☐
38.	प्रवचनरत्नाकर भाग-9 (गाथा 308 से 372 तक)	20.00	☐
39.	प्रवचनरत्नाकर भाग-10 (गाथा 373 से 415 तक)	20.00	☐
40.	प्रवचनरत्नाकर भाग-11 (47 शक्ति एवं परिशिष्ट)	40.00	☐
41.	ज्ञानगोष्ठी	18.00	☐
42.	मुक्ति का मार्ग	8.00	☐
43.	पदार्थ-विज्ञान	5.00	☐
44.	भक्तामर प्रवचन	18.00	☐
45.	ज्ञानस्वभाव ज्ञेयस्वभाव (समयसार गाथा 308 से 311 पर प्रवचन)	18.00	☐
46.	श्रावकधर्मप्रकाश	15.00	☐
47.	परमार्थ वचनिका प्रवचन	8.00	☐
48.	योगसार प्रवचन	25.00	☐
49.	वीतराग-विज्ञान प्रवचन भाग-1	10.00	☐
50.	वीतराग-विज्ञान प्रवचन भाग-2	12.00	☐
51.	वीतराग-विज्ञान प्रवचन भाग-3	18.00	☐
52.	वीतराग-विज्ञान प्रवचन भाग-4	10.00	☐
53.	वीतराग-विज्ञान प्रवचन भाग-5	11.00	☐
54.	वीतराग-विज्ञान प्रवचन भाग-6	6.00	☐

(समयसार ग्रन्थ पर प्रवचन)

(छहढाला पर प्रवचन)

(प्रवचनसार ग्रंथ पर प्रवचन)

55. अध्यात्म संदेश (रहस्यपूर्ण चिट्ठी)	15.00	☐
56. नय प्रज्ञापन	20.00	☐
57. मूल में भूल	12.00	☐
58. दिव्यध्वनिसार प्रवचन भाग -1 (प्रवचनसार गाथा 1 से 52 तक)	40.00	☐
59. दिव्यध्वनिसार प्रवचन भाग-2 (प्रवचनसार गाथा 53 से 92 तक)	प्रेस में	☐
60. दिव्यध्वनिसार प्रवचन भाग-3 (प्रवचनसार गाथा 93 से 126 तक)	40.00	☐
61. दिव्यध्वनिसार प्रवचन भाग-4 (प्रवचनसार गाथा 127 से 200 तक)	35.00	☐
62. दिव्यध्वनिसार प्रवचन भाग-5 (प्रवचनसार गाथा 201 से 275 तक)	40.00	☐
63. कारणशुद्धपर्याय	12.00	☐
64. समाधितंत्र प्रवचन	25.00	☐
65. अलिंगग्रहण प्रवचन	6.00	☐
66. नियमसार प्रवचन भाग-1 (गाथा 1 से 34 तक)	30.00	☐
67. नियमसार प्रवचन भाग-2 (गाथा 35 से 76 तक)	30.00	☐
68. नियमसार प्रवचन भाग-3 (गाथा 77 से 121 तक)	40.00	☐

डॉ. हुकमचन्द भारिल्ल की कृतियाँ

69. परमभाव प्रकाशक नयचक्र	40.00	☐
70. पं. टोडरमल : व्यक्तित्व और कर्तृत्व	20.00	☐
71. समयसार अनुशीलन भाग-1 (गाथा नं. 1 से 68 तक)	30.00	☐
72. समयसार अनुशीलन भाग-2 (गाथा नं. 69 से 163 तक)	30.00	☐
73. समयसार अनुशीलन भाग-3 (गाथा नं. 164 से 256 तक)	20.00	☐
74. समयसार अनुशीलन भाग-4 (गाथा नं. 257 से 382 तक)	20.00	☐
75. समयसार अनुशीलन भाग-5 (गाथा नं. 383 से सम्पूर्ण)	25.00	☐
76. प्रवचनसार अनुशीलन भाग-1 (गाथा नं. 1 से 92 तक)	35.00	☐
77. प्रवचनसार अनुशीलन भाग-2 (गाथा नं. 93 से 200 तक)	35.00	☐
78. प्रवचनसार अनुशीलन भाग-3 (गाथा नं. 201 से सम्पूर्ण)	25.00	☐

79. नियमसार अनुशीलन भाग-1 (गाथा नं. 1 से 76 तक)	25.00	☐
80. नियमसार अनुशीलन भाग-2 (गाथा नं. 77 से 121 तक)	25.00	☐
81. नियमसार अनुशीलन भाग-3 (गाथा नं. 122 से सम्पूर्ण)	20.00	☐
82. तत्त्वार्थमणि प्रदीप (तत्त्वार्थसूत्र ग्रन्थ पर टीका)	30.00	☐
83. समयसार का सार	30.00	☐
84. प्रवचनसार का सार	30.00	☐
85. छहढाला का सार	15.00	☐
86. मोक्षमार्गप्रकाशक का सार	30.00	☐
87. कुन्दकुन्द शतक : एक अनुशीलन	20.00	☐
88. मैं ज्ञानानन्द स्वभावी हूँ एक अनुशीलन	5.00	☐
89. 47 शक्तियाँ और 47 नय	8.00	☐
90. तीर्थंकर भगवान महावीर और उनका सर्वोदय तीर्थ	20.00	☐
91. अध्यात्म नवनीत	15.00	☐
92. मैं कौन हूँ	11.00	☐
93. मैं स्वयं भगवान हूँ	5.00	☐
94. सत्य की खोज (उपन्यास)	25.00	☐
95. आत्मा ही है शरण	15.00	☐
96. आप कुछ भी कहो (कहानी संग्रह)	15.00	☐
97. धर्म के दशलक्षण	20.00	☐
98. बारह भावना : एक अनुशीलन	16.00	☐
99. वीतराग-विज्ञान प्रशिक्षण निर्देशिका	20.00	☐
100. क्रमबद्धपर्याय	20.00	☐
101. सूक्तिसुधा	18.00	☐
102. वैराग्य महाकाव्य	25.00	☐
103. समयसार महामंडल विधान	25.00	☐
104. समयसार महामंडल विधान (गाथा सहित)	35.00	☐
105. नियमसार महामंडल विधान	25.00	☐
106. नियमसार महामंडल विधान (गाथा सहित)	30.00	☐
107. प्रवचनसार महामंडल विधान	15.00	☐
108. प्रवचनसार महामंडल विधान (गाथा सहित)	20.00	☐

109. दृष्टि का विषय	10.00	☐
110. णमोकार महामंत्र : एक अनुशीलन	15.00	☐
111. बिखरे मोती	16.00	☐
112. चिन्तन की गहराइयाँ	30.00	☐
113. गागर में सागर	7.00	☐
114. निमित्तोपादान	7.00	☐
115. चैतन्य चमत्कार	4.00	☐
116. आ. कुन्दकुन्द और उनके पंच परमागम	प्रेस में	☐
117. गाथा समयसार	10.00	☐
118. पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव	12.00	☐
119. रहस्य : रहस्यपूर्ण चिट्ठी का	10.00	☐
120. सिद्धभक्ति (सिद्धचक्र विधान की जयमाला का अर्थ)	10.00	☐
121. भगवान महावीर और उनकी जन्मभूमि	3.00	☐
122. रक्षाबंधन और दीपावली	5.00	☐
123. ध्यान का स्वरूप	5.00	☐
124. अहिंसा : महावीर की दृष्टि में	5.00	☐
125. वीतरागी व्यक्तित्व : भगवान महावीर	2.00	☐
126. तीर्थंकर भगवान महावीर	3.00	☐
127. तीर्थंकर भगवान ऋषभदेव	4.00	☐
128. शाकाहार (जैनदर्शन के परिप्रेक्ष्य में)	3.00	☐
129. पश्चाताप	10.00	☐
130. शाश्वत तीर्थधाम सम्मेदशिखर	6.00	☐
131. गोली का जवाब गाली से भी नहीं	2.00	☐
132. गोम्मटेश्वर बाहुबली	3.00	☐
133. युगपुरुष कानजीस्वामी	7.00	☐
134. प्रवचनसार पद्यानुवाद	3.00	☐
135. योगसार पद्यानुवाद (जेबी.)	2.00	☐
136. अष्टपाहुड़ पद्यानुवाद	3.00	☐
137. द्रव्य संग्रह पद्यानुवाद	1.00	☐
138. नियमसार पद्यानुवाद	2.50	☐

139. नियमसार कलश पद्यानुवाद	5.00	☐
140. अनेकान्त और स्याद्वाद	3.00	☐
141. समाधिमरण या सल्लेखना	5.00	☐
142. ये है मेरी नारियाँ	5.00	☐
143. बिन्दु में सिन्धु	3.00	☐
144. बारह भावना एवं जिनेन्द्र वंदना	2.00	☐
145. समयसार पद्यानुवाद (जेबी साइज)	3.00	☐
146. समयसार कलश पद्यानुवाद (जेबी.)	3.00	☐
147. कुन्दकुन्द शतक अर्थ सहित	5.00	☐
148. शुद्धात्म शतक अर्थ सहित	5.00	☐
149. कुन्दकुन्द शतक पद्यानुवाद (जेबी.)	2.00	☐
150. शुद्धात्म शतक पद्यानुवाद (जेबी.)	1.00	☐
151. अर्चना (जेबी) (देव-शास्त्र-गुरु, सिद्ध, सीमन्धर और महावीर पूजन)	1.50	☐
152. मैं ज्ञानानन्द स्वभावी हूँ (कैलेण्डर)	3.00	☐
153. महावीर वन्दना (कैलेण्डर)	3.00	☐
154. रीति-नीति	4.00	☐
155. बालबोध पाठमाला भाग-2	4.00	☐
156. बालबोध पाठमाला भाग-3	4.00	☐
157. वीतराग विज्ञान पाठमाला भाग-1	4.00	☐
158. वीतराग विज्ञान पाठमाला भाग-2	5.00	☐
159. वीतराग विज्ञान पाठमाला भाग-3	5.00	☐
160. तत्त्वज्ञान पाठमाला भाग-1	5.00	☐
161. तत्त्वज्ञान पाठमाला भाग-2	6.00	☐

पण्डित रतनचन्द भारिल्ल की कृतियाँ

162. सम्यग्दर्शन	15.00	☐
163. संस्कार	30.00	☐
164. सुखी जीवन	20.00	☐
165. हरीवंशकथा	40.00	☐

166. शलाका पुरुष पूर्वार्द्ध	40.00	☐
167. शलाका पुरुष उत्तरार्द्ध	50.00	☐
168. विदाई की बेला	15.00	☐
169. इन भावों का फल क्या होगा	25.00	☐
170. ऐसे क्या पाप किए	20.00	☐
171. सामान्य श्रावकाचार	10.00	☐
172. णमोकार महामंत्र	10.00	☐
173. जिन खोजा तिन पाईया	15.00	☐
174. पंचास्तिकाय परिशीलन	50.00	☐
175. ये तो सोचा ही नहीं	20.00	☐
176. चलते फिरते सिद्धों से गुरु	18.00	☐
177. जान रहा हूँ देख रहा हूँ	12.00	☐
178. जम्बू से जम्बूस्वामी	7.00	☐
179. यदि चूक गये तो	15.00	☐
180. जिनपूजन रहस्य	4.00	☐
181. पर से कुछ भी सम्बन्ध नहीं	7.00	☐
182. बालबोध पाठमाला भाग-1	3.00	☐
183. नींव का पत्थर	15.00	☐
184. षट्कारक : एक अनुशीलन	6.00	☐
185. द्रव्य दृष्टि	5.00	☐
186. क्षत्र चूड़ामणि परिशीलन	प्रेस में	☐
187. पंचास्तिकाय संग्रह पद्यानुवाद	2.00	☐
188. समाधि, साधना और संल्लेखना	5.00	☐
189. तीर्थंकर स्तवन	1.00	☐

अन्य महत्त्वपूर्ण साहित्य

190. गुणस्थान विवेचन	30.00	☐
191. आ. कुन्दकुन्द और उनके टीकाकार	10.00	☐
192. विचार के पत्र विकार के नाम	6.00	☐
193. निर्विकल्प आत्मानुभूति के पूर्व	12.00	☐

194. सुखी होने का उपाय भाग-1	10.00	☐
195. सुखी होने का उपाय भाग-2	8.00	☐
196. सुखी होने का उपाय भाग-3	8.00	☐
197. सुखी होने का उपाय भाग-4	7.00	☐
198. सुखी होने का उपाय भाग-5	12.00	☐
199. सुखी होने का उपाय भाग-6	10.00	☐
200. सुखी होने का उपाय भाग-7	10.00	☐
201. सुखी होने का उपाय भाग-8	8.00	☐
202. जिनधर्म विवेचन	20.00	☐
203. जीव जागा कर्म भागा	25.00	☐
204. गुणस्थान प्रवेशिका	10.00	☐
205. चौदह गुणस्थान	6.00	☐
206. क्रमबद्धपर्याय की श्रद्धा में पुरुषार्थ	10.00	☐
207. क्रमबद्धपर्याय निर्देशिका	12.00	☐
208. क्रिया, परिणाम और अभिप्राय	15.00	☐
209. सार संक्षेप	3.00	☐
210. सुख कहाँ	3.00	☐
211. वस्तु स्वातंत्र्य	3.00	☐
212. शास्त्रों के अर्थ समझने की पद्धति	3.00	☐
213. णमो लोए सव्वसाहूणं	2.00	☐
214. भेदविज्ञान का यथार्थ प्रयोग	5.00	☐
215. आत्मसंबोधनम्	2.50	☐
216. सिद्ध स्वभावी ध्रुव की ऊर्ध्वता	6.00	☐
217. अपनत्व का विषय	10.00	☐
218. व्रती श्रावक की ग्यारह प्रतिमाएँ	3.00	☐
219. लघु जैन सिद्धान्त प्रवेशिका	6.00	☐
220. श्री जैन सिद्धान्त प्रवेशिका (वरैया)	25.00	☐
221. जिनधर्म प्रवेशिका	10.00	☐
222. मोक्षमार्ग की पूर्णता	20.00	☐
223. अन्तरशोधन	30.00	☐

224. ज्ञान दर्पण	10.00	☐
225. जैन बालपोथी भाग–1	7.00	☐
226. जैन बालपोथी भाग–2	7.00	☐
227. जैन शतक	8.00	☐
228. मुक्ति का संघर्ष	6.00	☐
229. क्या मृत्यु अभिशाप है	6.00	☐
230. अन्तर्द्वन्द	6.00	☐
231. प्रमाणज्ञान	5.00	☐
232. भक्तामर स्त्रोत	7.00	☐
233. डॉ. हुकमचन्द भारिल्ल अभिनन्दन ग्रंथ	150.00	☐
234. 'रत्नदीप' रतनचन्द भारिल्ल अभिनन्दन ग्रंथ	100.00	☐
235. जोगसारु (योगसार)	7.00	☐
236. आओ जानें जैनधर्म	15.00	☐
237. बुधजन सतसईं	7.00	☐
238. ज्ञानधारा–कर्मधारा	8.00	☐
239. आध्यात्मिक भजन संग्रह	3.00	☐
240. लघु द्रव्य संग्रह	12.00	☐
241. समयसार नाटक गर्भित गुणस्थान	6.00	☐
242. नक्शों में दशकरण	6.00	☐
243. गुणस्थान प्रकरण	7.00	☐
244. डॉ. भारिल्ल और उनका व्यक्तित्व कर्तृत्व	30.00	☐
245. डॉ. भारिल्ल और उनका कथा साहित्य	12.00	☐
246. डॉ. हुकमचंद भारिल्ल के साहित्य का समालोचनात्मक अध्ययन	25.00	☐
247. पण्डित रतनचंद भारिल्ल के साहित्य का दार्शनिक एवं सांस्कृतिक अध्ययन	12.00	☐
248. वीतराग विज्ञान विवेचन	25.00	☐
249. द्रव्यसंग्रह	15.00	☐
250. मोक्षमार्ग में शुद्धाशुद्ध परिणति	15.00	☐

अ. भा. दि. जैन विद्वत्परिषद् का साहित्य

251. कालचक्र	10.00	☐
252. सर्वार्थसिद्धि वचनिका	80.00	☐
253. ज्ञानानन्द श्रावकाचार	प्रेस में	☐
254. सिद्धलोक एवं सिद्धत्व साधना के सूत्र	प्रेस में	☐
255. शुद्ध उपयोग विवेचन	30.00	☐
256. अध्यात्म बारहखड़ी	प्रेस में	☐
257. सम्यक्त्व चर्चा	20.00	☐
258. आप्त परीक्षा	15.00	☐
259. क्षयोपशमभाव चर्चा	30.00	☐

कथा साहित्य

260. अहिंसा के पथ पर (कहानी संग्रह)	15.00	☐
261. विचित्र महोत्सव (कहानी संग्रह)	15.00	☐
262. जैनधर्म की कहानियाँ भाग–1	10.00	☐
263. जैनधर्म की कहानियाँ भाग–2	10.00	☐
264. जैनधर्म की कहानियाँ भाग–3	10.00	☐
265. जैनधर्म की कहानियाँ भाग–4	10.00	☐
266. जैनधर्म की कहानियाँ भाग–5	10.00	☐
267. जैनधर्म की कहानियाँ भाग–6	10.00	☐
268. जैनधर्म की कहानियाँ भाग–7	15.00	☐
269. जैनधर्म की कहानियाँ भाग–8	7.00	☐
270. जैनधर्म की कहानियाँ भाग–9	15.00	☐
271. जैनधर्म की कहानियाँ भाग–10	7.00	☐
272. जैनधर्म की कहानियाँ भाग–11	10.00	☐
273. जैनधर्म की कहानियाँ भाग–12	10.00	☐
274. जैनधर्म की कहानियाँ भाग–13	10.00	☐
275. जैनधर्म की कहानियाँ भाग–14	10.00	☐
276. जैनधर्म की कहानियाँ भाग–15	10.00	☐

277. जैनधर्म की कहानियाँ भाग-16	10.00	☐
278. जैनधर्म की कहानियाँ भाग-17	10.00	☐
279. जैनधर्म की कहानियाँ भाग-18	7.00	☐
280. जैनधर्म की कहानियाँ भाग-19	10.00	☐
281. जैनधर्म की कहानियाँ भाग-20	10.00	☐
282. जैनधर्म की कहानियाँ भाग-21	10.00	☐
283. शीलवान सुदर्शन	10.00	☐
284. उपसर्गजयी सुकमाल	12.00	☐
285. भगवान मल्लिनाथ	11.00	☐
286. भगवान बाहुबली	10.00	☐
287. भगवान शान्तिनाथ	8.00	☐
288. भगवान नेमिनाथ	8.00	☐
289. भगवान पार्श्वनाथ	7.00	☐
290. चौबीस तीर्थंकर महापुराण	50.00	☐
291. राम कहानी	20.00	☐

डॉ. शुद्धात्मप्रभा टडैया द्वारा रचित बाल साहित्य

292. संस्कार का चमत्कार (दादी की कहानियाँ)	8.00	☐
293. सुख की तलाश	10.00	☐
294. सत्ता का सुख	15.00	☐
295. जैनदर्शनसार	प्रेस में	☐
296. जैन नर्सरी	15.00	☐
297. चलो पाठशाला चलो सिनेमा-1	8.00	☐
298. चलो पाठशाला चलो सिनेमा-2	प्रेस में	☐
299. जैन के.जी. भाग-1	17.00	☐
300. जैन के.जी. भाग-2	15.00	☐
301. जैन के.जी. भाग-3	17.00	☐
302. जैन जी.के. भाग-1	15.00	☐
303. जैन जी.के. भाग-2	15.00	☐
304. जैन जी.के. भाग-3	17.00	☐
305. जैन जी.के. भाग-4	17.00	☐

306. जैन जी.के. भाग-5	25.00	☐
307. जैन जी.के. भाग-6	15.00	☐
308. जैन जी.के. भाग-7	15.00	☐
309. जैन जी.के. भाग-8	15.00	☐
310. जैन जी.के. भाग-9	15.00	☐
311. जैन जी.के. भाग-10	15.00	☐
312. जैन नर्सरी हिन्दी	15.00	☐
313. नयचक्र गाइड	7.00	☐
314. एक संभावना यह भी	15.00	☐
315. सीखें हम गाते-गाते	6.00	☐
316. मुझमें एक दशानन है	15.00	☐
317. जैन कलर भाग-1	25.00	☐
318. जैन कलर भाग-2	25.00	☐
319. शब्दों की रेल	15.00	☐
320. मुक्ति की युक्ति	10.00	☐
321. आगम प्रवेश भाग-1,2,3 (सेट)	24.00	☐
322. प्रमाण ज्ञान	5.00	☐
323. आत्मानुभूति के पूर्व	10.00	☐
324. सेल्फ स्टडी	20.00	☐
325. बढते कदम	10.00	☐
326. प्रवेशिका प्रशिक्षण गाइड	20.00	☐
327. बालबोध प्रशिक्षण गाइड	10.00	☐
328. उपादान-निमित्त दोहा	7.00	☐

पूजन एवं भक्ति संग्रह

329. बृहद् जिनवाणी संग्रह	60.00	☐
330. इन्द्रध्वज विधान	30.00	☐
331. सिद्धचक्र विधान	40.00	☐
332. जिनेन्द्र अर्चना	40.00	☐
333. श्रीमद् जिनेन्द्र पंचकल्याणक महोत्सव पूजन (यागमंडल सहित)	15.00	☐
334. चौबीस तीर्थंकर विधान (राजमल)	20.00	☐

335. चौबीस तीर्थंकर विधान (वृंदावन)	12.00	☐
336. तीनलोक मण्डल विधान	35.00	☐
337. रत्नत्रय पूजन विधान (राजमल पवैया)	16.00	☐
338. कल्पद्रुम विधान	25.00	☐
339. पंचमेरु नन्दीश्वर विधान	16.00	☐
340. शान्ति विधान (राजमल पवैया)	7.00	☐
341. पंचपरमेष्ठी विधान (राजमल पवैया)	10.00	☐
342. दशलक्षण मंडल विधान (टेकचन्द)	10.00	☐
343. 170 तीर्थंकर पूजन विधान	11.00	☐
344. श्री नवलब्धि विधान	11.00	☐
345. बीस तीर्थंकर विधान	10.00	☐
346. चौंसठ ऋद्धि विधान	8.00	☐
347. लघु शान्ति विधान	6.00	☐
348. सम्मेदशिखर पूजन विधान	4.00	☐
349. भक्ति सरोवर	7.00	☐
350. वीर हिमाचल तैं निकसी	5.00	☐
351. भक्तामर विधान	15.00	☐
352. दसलक्षण धर्म विधान (पवैयाजी)	12.00	☐
353. लघुपंचपरमेष्ठी विधान	10.00	☐
354. 170 तीर्थंकर विधान	10.00	☐
355. महावीर पंचकल्याणक विधान	8.00	☐
356. लघु रत्नत्रय विधान	10.00	☐

ENGLISH EDITION

357. Say Whatever You Might	7.50	☐
358. Dharm Ke Dashlakshan	प्रेस में	☐
359. Tirthanker Bhagwan Mahavir and his Sarvodaya Tirth	प्रेस में	☐
360. Krambadha paryay	5.00	☐
361. Kund Kund Shatak	प्रेस में	☐
362. Nonviolance in the light of Mahavir	8.00	☐

363. Know thy self	प्रेस में	☐
364. Tirthankar Bhagwan Mahavir	5.00	☐
365. A short Reader to Jain Doctrines	7.00	☐
366. Balbodh Pathmala Part-1	5.00	☐
367. Balbodh Pathmala Part-2	5.00	☐
368. Balbodh Pathmala Part-3	5.00	☐
369. Vitrag Vigyan Pathmala Part-1	5.00	☐
370. Vitrag Vigyan Pathmala Part-2	5.00	☐
371. Vitrag Vigyan Pathmala Part-3	5.00	☐
372. Jain K.G. Part -1-2-3 (Set)	51.00	☐
373. Jain G.K. Part-1-2-3-4	80.00	☐
374. Tatwagyan Pathmala Part-1	6.00	☐
375. Tatwagyan Pathmala Part-2	6.00	☐
376. Nature of Meditation	10.00	☐
377. Vegetarian Food and Jain con.	प्रेस में	☐
378. Moksha Marg Prakashak	40.00	☐
379. Dravya Sangrah	15.00	☐
380. I myself am God	8.00	☐
381. Jain Nursery	10.00	☐
382. Discovery of Truth	25.00	☐

मराठी साहित्य

383. समयसार अनुशीलन भाग–1 (गाथा क्र. 1 ते 68 पर्यंत)	25.00	☐
384. समयसार का सार	30.00	☐
385. प्रवचनसार अनुशीलन भाग–1	30.00	☐
386. प्रवचनसार अनुशीलन भाग–2	30.00	☐
387. जिनेन्द्र अष्टक	30.00	☐
388. योगसार	10.00	☐
389. जिनेन्द्र पूजेचे स्वरूप	3.00	☐
390. मुक्तिचा मार्ग	10.00	☐
391. ह्या परिणामांचे फळ काय मिळेल	प्रेस में	☐
392. क्रमबद्धपर्याय	प्रेस में	☐

393. आपण काहीही म्हणा	प्रेस में	☐
394. पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव	प्रेस में	☐
395. अहिंसा महावीरांच्या दृष्टिकोणातून	प्रेस में	☐
396. छहढाला का सार	20.00	☐
397. समयसार मराठी	50.00	☐
398. ये तो सोचा ही नहीं	15.00	☐
399. ध्यान का स्वरूप	प्रेस में	☐
400. कुंदकुंद शतक (अर्थ सहित)	प्रेस में	☐
401. सामान्य श्रावकाचार	प्रेस में	☐
402. संस्कार	प्रेस में	☐
403. अखेरचा निरोप	प्रेस में	☐
404. णमोकार महामंत्र	प्रेस में	☐
405. जिनपूजन रहस्य	5.00	☐
406. जिनधर्म प्रवेशिका	7.00	☐
407. बालबोध पाठमाला भाग-1	2.00	☐
408. बालबोध पाठमाला भाग-2	3.00	☐
409. बालबोध पाठमाला भाग-3	3.00	☐
410. बारह भावना : एक अनुशीलन	10.00	☐
411. वीतराग विज्ञान पाठमाला भाग-1	4.00	☐
412. वीतराग विज्ञान पाठमाला भाग-2	प्रेस में	☐
413. वीतराग विज्ञान पाठमाला भाग-3	प्रेस में	☐
414. शाकाहार : जैन दर्शनाच्या दृष्टीकोणातून	1.00	☐
415. निमित्तोपादान	5.00	☐
416. मी स्वतः भगवान आहे	5.00	☐
417. गोळीचे उत्तर शिवीने सुद्धा नाही	3.00	☐
418. जैन नर्सरी	10.00	☐
419. जैन के.जी. भाग-1-2-3 (सैट)	51.00	☐
420. क्रिया परिणाम और अभिप्राय	10.00	☐

गुजराती साहित्य

421. सत्य की खोज	प्रेस में	☐
422. धर्म के दशलक्षण	20.00	☐

423. क्रमबद्धपर्याय	20.00	☐
424. आप कुछ भी कहो	6.00	☐
425. कुन्दकुन्द शतक	1.50	☐
426. शाकाहार : जैनदर्शन के परिप्रेक्ष्य में	2.00	☐
427. बालबोध पाठमाला भाग-1	5.00	☐
428. बालबोध पाठमाला भाग-2	5.00	☐
429. बालबोध पाठमाला भाग-3	5.00	☐
430. वीतराग विज्ञान पाठमाला भाग-1	5.00	☐
431. वीतराग विज्ञान पाठमाला भाग-2	5.00	☐
432. वीतराग विज्ञान पाठमाला भाग-3	5.00	☐
433. तत्त्वज्ञान पाठमाला भाग-1	7.00	☐
434. तत्त्वज्ञान पाठमाला भाग-2	7.00	☐
435. णमोकार महामंत्र	6.00	☐
436. जिनपूजन रहस्य	2.00	☐
437. इन भावों का फल क्या होगा	प्रेस में	☐
438. विदाई की बेला	प्रेस में	☐
439. समयसार अनुशीलन भाग-1 (गाथा नं. 1 से 68 तक)	20.00	☐
440. समयसार अनुशीलन भाग-2 (गाथा नं. 69 से 163 तक)	20.00	☐
441. समयसार अनुशीलन भाग-3 (गाथा नं. 164 से 256 तक)	25.00	☐
442. समयसार अनुशीलन भाग-4 (गाथा नं. 257 से 382 तक)	30.00	☐
443. समयसार अनुशीलन भाग-5 (गाथा नं. 383 से सम्पूर्ण)	25.00	☐
444. मैं स्वयं भगवान हूँ	5.00	☐
445. रीति-नीति	5.00	☐
446. बिन्दु में सिन्धु	2.50	☐
447. गोली का जवाब गाली से भी नहीं	2.50	☐
448. संस्कार	15.00	☐
449. परमभावप्रकाशक नयचक्र	25.00	☐
450. अहिंसा : महावीर की दृष्टि में	5.00	☐

अखिल भारतीय जैन युवा फैडरेशन

ए–4, बापूनगर, जयपुर – 15

की अनुपम भेंट

प्रवचन प्रसार योजना

अखिल भारतीय जैन युवा फैडरेशन द्वारा प्रवचन प्रसार योजना के अन्तर्गत विद्वानों के प्रवचनों, गाथाओं के पद्यानुवाद, पूजन एवं स्तुतियों की संगीतमयी कैसेट तैयार कराकर लागत मूल्य पर उपलब्ध कराये जाते हैं।

हमारे कैसेट विभाग में **आध्यात्मिकसत्पुरुष श्रीकानजीस्वामी** द्वारा पंचपरमागमों एवं अन्य ग्रन्थों पर किये गये प्रवचनों के हिन्दी/गुजराती ओडियो कैसेट उपलब्ध हैं।

इसके अलावा अन्य विशिष्ट विद्वानों एवं श्री टोडरमल स्मारक भवन में डॉ. हुकमचन्दजी भारिल्ल के प्रतिदिन होनेवाले दैनिक प्रवचनों एवं उनके निम्न विशिष्ट प्रवचनों के कैसेट भी उपलब्ध हैं, जिन्हें आप आर्डर भेजकर प्राप्त कर सकते हैं।

आर्डर भेजने के लिए आप चाही गई कैसेटों की संख्या उनके आगे लिखकर कैसेटों का मूल्य एवं पोस्टेज खर्च की राशि जोड़कर कुल राशि ड्राफ्ट या मनिऑर्डर **अखिल भारतीय जैन युवा फैडरेशन** के नाम भेज देवें।

आध्यात्मिकसत्पुरुष श्रीकानजीस्वामी के प्रवचनों की डीवीडी/सीडी

1. हिन्दी प्रवचन – विभिन्न विषयों पर – ऑडियो डीवीडी *Vol. 07*
2. गुजराती प्रवचन – विभिन्न विषयों पर – ऑडियो डीवीडी *Vol. 16*
3. मंगल वाणी – वीडियो डीवीडी *Vol. 07*

डॉ. हुकमचन्दजी भारिल्ल के प्रवचनों की वीडियो डीवीडी

1. क्रमबद्धपर्याय *Vol. 01*
2. धर्म के दशलक्षण – क्षमावाणी सहित (प्रत्येक पर अलग–अलग) *Vol. 02*
3. सिद्धचक्रविधान जयमालाओं पर प्रवचन *Vol. 01*
4. मैं स्वयं भगवान हूँ एवं रक्षाबंधन एवं दीपावली पर (5 प्रवचन) *Vol. 01*
5. ध्यान का स्वरूप पर (7 प्रवचन) *Vol. 01*
6. अहिंसा महावीर की दृष्टि में (1 प्रवचन) *Vol. 01*
7. समयसार सप्ताह प्रवचन (आ. विद्यानंदजी के सान्निध्य में दिल्ली में समयसार वाचना) *Vol. 02*
8. समयसार (संपूर्ण) *Vol. 60*
8. प्रवनचसार (गाथा 134 तक) *Vol. 23*

ऑडियो/डीवीडी

1. विभिन्न विषयों पर 213 प्रवचनों का संकलन *Vol. 01*
   आत्मा परमात्मा आदि विविध विषय, णमोकार महामंत्र, पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव, ध्यान का स्वरूप, धर्म के दशलक्षण, क्रमबद्धपर्याय, समयसार का सार, मोक्षमार्गप्रकाशक का सार, प्रवचनसार का सार, प्रयोजनभूत–अप्रयोजनभूत (मो.मा.प्र. 4 अधिकार), सात तत्त्वों संबंधी भूल (मो.मा.प्र. 7 अधिकार), निश्चयाभासी–व्यवहाराभासी एवं उभयाभासी, पुरुषार्थ से मोक्ष की प्राप्ति (मो.मा.प्र. 9 अधिकार), रहस्यपूर्ण चिट्ठी, दृष्टि का विषय, मुनि का स्वरूप, 47 शक्तियाँ
2. समयसार प्रवचन (प्रत्येक गाथा व कलश पर क्रमश: प्रवचन) *Vol. 05*
3. प्रवचनसार (मंगलाचरण से 160 गाथा तक) *Vol. 02*

एमपी–3 ऑडियो सीडी

1. धर्म के दशलक्षण (क्षमावाणी सहित 11 प्रवचन) *Vol. 01*
2. ध्यान का स्वरूप (7 प्रवचन) *Vol. 01*
3. मैं स्वयं भगवान हूँ, मोक्षमार्गप्रकाशक, विदाई की बेला, क्रमबद्धपर्याय (सभी ऑडियो बुक) *Vol. 04*

संगीतमय पद्य, भजन, पूजन

1. अध्यात्म नवनीत की डीवीडी *Vol. 01*
2. अध्यात्म भजन गंगा *Vol. 03*
3. समयसार वीडियो–सचित्र (मूल गाथायें, पद्यानुवाद एवं अर्थ) *Vol. 03*

नोट :– 1. इसके अलावा प्रत्येक शिविर में विद्वानों द्वारा किये गये प्रवचनों एवं कक्षाओं की कैसेट भी उपलब्ध है।

2. सी.डी. 20/– एवं डी.वी.डी. 25/– मूल्य की है।

ORDERING - FORM

Literature Sales Department

PANDIT TODARMAL SMARAK TRUST

A-4, Bapu Nagar, Jaipur - 302015

Sir,

Please send the pointed numbered literature through Railway parsal/Transport/post or ..... Send bill on the following address. Being got the bill, we would immediate send amount in the name of **"Pandit Todarmal Smark Trust"** by Bank Draft/M.O. TR To Bank A/c or Cash.

Date Signature

Name of buyer _____

Name of Institution _____

Present Address _____

_____

_____Pincode ☐☐☐☐☐☐

Mob. No. : _____

Name of transport company (from which the literature to be sent)

_____

_____

Note :

1. You should send order by selecting the number of books & filling the box towards the line or you can send order by your separate application.

साहित्य की राशि आप 'पण्डित टोडरमल स्मारक ट्रस्ट' के नाम से चेक/डीडी बनाकर जयपुर कार्यालय के उपरोक्त पते पर भिजवा सकते हैं अथवा निम्न विवरण के अनुसार संस्था के बैंक खाते में ऑनलाईन जमा भी करा सकते हैं। आप जो भी राशि ऑनलाईन जमा करावें उसकी जानकारी/बैंक स्लिप जयपुर कार्यालय में अवश्य भेजें, ताकि जमाखर्च कर आपको रसीद भेजी जा सके।

राशि जमा कराने हेतु खाते का विवरण

Name of Accounts	:	**PANDIT TODARMAL SMARAK TRUST**
Bank A/c No.	:	0247000100024619
Accounts Type	:	Saving A/c
Name & Address of Bank	:	PNB Bank, Bapu Nagar Branch
Bank Micr Code	:	302024004
Bank IFSC Code	:	PUNB0024700
PAN NO.	:	AAATP2595H